THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): (a) As of the end of January 1992, there has been no decline of textile exports.

(b) Exports of Cotton Textiles to erstwhile USSR declined by 65% during April-December 1991 against the corresponding period of 1990. In respect of Garments, the decline was of 25% However there has been no decline in exports of these products to traditional western markets.

(c) On the whole, there is no significant impact on the textile industry due to decline in textile and clothing exports to erstwhile USSR.

(d) Steps taken by the Government to increase export of textiles in the current year include organising of Buyer Seller Meet Fairs and exhibitions in overseas markets, partial convertibility of rupee etc.

Requirement of earnest money Deposit from Garment Exporters

2816. SHRI SURESH KALMADI: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that exporters of garments who have been allocated special quotas by German Government merely on the basis of Berlin fair participation, are required to make the earnest money deposit as performance guarantee;

(b) whether it is also a fact that All India Garment Exporters Common Cause Guild has represented for the withdrawal of the earnest money deposit; and

(c) if so, what steps Government propose to take to mitigate hardships faced on this account by a large number of small and new participants/exporters?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): (a) Exporters who are allotted Export Entitlements in the Partners-for-Progress Fair, Berlin, are required to furnish Earnest Money Deposit @ 1% of the value of the contract in the case of slow moving items and @ 2% of the value of the contract in the case of fast moving item.

(b) Yes, Sir.

(c) EMDs have been stipulated to ensure that exporters fulfil their quota obligations. Withdrawal of the EMD would not be in the interest of full utilisation of the Export Entitlements released by EEC.

Malpractice by B.I.C.

2817. SHRI GHUFRAN AZAM: PROF. SAURIN BHATTACHARYA:

Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether Government have seen news reports as published in the Amar Ujala, Kanpur dated 3rd March, 1992 relating to the affairs of British India Corporation Limited;

(b) whether Government have a proposal under consideration to take over British India Corporation Limited against its own policy decision relating to take-over, nationalisation and disinvestment; and

(c) if so, the details and reasons therefore?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): (a) Yes, Sir.

(b) and (c). The British India Corporation Limited is a Government Company under the British India Corporation Ltd. (Acquisition of Shares) Act, 1981.

वस्त्र निर्यात में विद्युत करघों का योगदान

2818. **डा॰ जिनेन्द्र कुमार जैन:**
श्री रणजीत सिंह:

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश के असंगठित क्षेत्र में संचालित विद्युतकरघों द्वारा भारी मात्रा में कपड़े का उत्पादन किया जाता है;

(ख) यदि हां, तो इस क्षेत्र में 1990-91 में कुल कितने कपड़े का उत्पादन किया गया और उसका मूल्य क्या था;

(ग) क्या यह भी सच है कि वर्ष 1990-91 में इस क्षेत्र में उत्पादित कपड़े अथवा उससे बनाए गए सिलेसिलाए वस्त्रों के निर्यात से भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा अर्जित की गई है;

(घ) यदि हां, तो इससे कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित की गई है; और

(ङ) उपर्युक्त अवधि के दौरान इस क्षेत्र में उत्पादित कपड़े अथवा उससे बनाए गए सिलेसिलाए वस्त्रों का निर्यात-मूल्य क्या था तथा इस अवधि के दौरान विदेशों को निर्यात किए गए कपड़े के कुल मूल्य में उसकी प्रतिशतता क्या थी?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) (क) जी हां।

(ख) वर्ष 1990-91 के दौरान विद्युतकरघा क्षेत्र द्वारा निर्मित कपड़े की कुल मात्रा 12746 मिलियन वर्ग मीटर थी जिसका मूल्य 12105 करोड़ रु० था।

(ग) जी हां।

(घ) तथा (ङ) वर्ष 1990-91 के दौरान सूती विद्युतकरघा फैब्रिक्स के निर्यात से 323.38 करोड़ रु० की विदेशी मुद्रा अर्जित की गई तथा विद्युतकरघा मेड-अप्स तथा अन्य सूती विनिर्माताओं के निर्यात से 205.54 करोड़ रु० की राशि की विदेशी मुद्रा अर्जित की गई। सभी क्षेत्रों से कपड़ों से निर्मित परिधानों के निर्यात से 4640.20 करोड़ रु० की राशि की विदेशी मुद्रा अर्जित की गई। विद्युतकरघा फैब्रिक से निर्मित परिधानों के लिए मूल्य के पृथक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

विद्युतकरघा क्षेत्र में उत्पादन को बढ़ाने के लिए कदम

2819. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:**
श्री राम जेठमलानी:

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश के विद्युतकरघा क्षेत्र में भारी मात्रा में कपड़े का उत्पादन किया जाता है;

(ख) यदि हां, तो दिसंबर, 1991 में देश में विद्युतकरघा इकाइयों की संख्या कितनी थी और उनमें कार्यरत लोगों की अनुमानित संख्या क्या थी;

(ग) क्या सरकार ने इस क्षेत्र में उत्पादन को बढ़ाने और उसके कार्यकरण में और अधिक सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए कोई योजना तैयार की है; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) (क) जी हां।

(ख) दिसम्बर, 1991 तक विभिन्न राज्य सरकारों के पास 12,47,554 विद्युतकरघे पंजीकृत हैं जो हमारे देश में लगभग 6 मिलियन व्यक्तियों को रोजगार प्रदान करते है।

(ग) और (घ): सरकार ने विद्युत करघा क्षेत्र के सामने पेश आ रही कठिनाइयों की जांच करने के लिए एक कार्य दल नियुक्त किया है और इस कार्यदल ने अगस्त, 1988 में अपनी रिपोर्ट में यह सुझाव दिया है कि विकेन्द्रीकृत क्षेत्र को अपनी कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आरंभ में 500 करोड़ रु० की आवश्यकता होगी और तत्पश्चात बाद के वर्षों के लिए इस राशि में 25% की वृद्धि की जानी चाहिए। कार्य दल की रिपोर्ट में यह भी सुझाव दिया गया है कि विद्युत करघा उद्योग विकेन्द्रीकृत क्षेत्र में बुनाई पूर्व और बुनाई प्रचालन के लिए आधुनिकीकरण की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आरंभ में 200 करोड़ रु० की आवश्यकता होगी जिसके बाद में वर्षों में 15% की वृद्धि करनी पड़ेगी।

Profit/Loss Incurred by NTC

2820. SHRI RAMDAS AGARWAL:
SHRI CHATURANAN MISHRA:

Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) what are names of the Textile Mills under N.T.C. in different States on December, 1991;

(b) what was the net profit earned and losses incurred by the National Textile Corporation Limited and also by the N.T.C. located at Delhi, Punjab and Rajasthan units during the last two years and upto 31st Jan., 1992;

(c) what was the production of cloth and market yearn produced by NTC and above mentioned units during the said period; and

(d) whether it is a fact that the accumulated losses upto 31st March, 91 was Rs. 2037.53 crores, if so, the reasons therefor and steps taken by Government to reduce such losses?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): (a) A statement (*see* below) showing the names of Textile Mills under N.T.C., State-wise/Union-Territory-wise is attached.

(b) The net profit/loss incurred by NTC Ltd. and NTC (Delhi, Punjab and Rajasthan) Ltd. New Delhi, during the last two years is as under:—